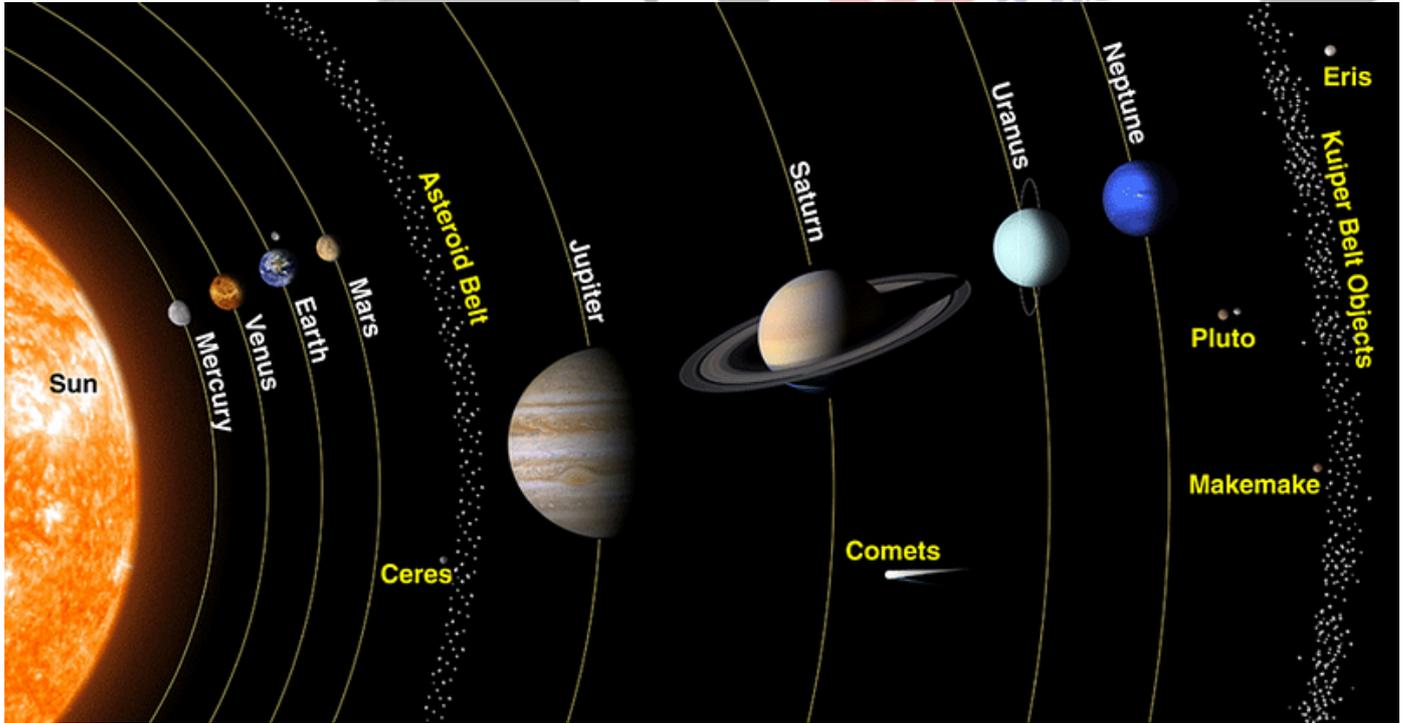


तारकीय लंबन

स्रोत: द हद्दि

खगोलविदों ने तारकीय लंबन/स्टेलर पैरालैक्स का उपयोग करते हुए एक **अभिनव तकनीक** का प्रदर्शन किया है, जिसके माध्यम से अंतरिक्ष यान **गहरे अंतरिक्ष में पृथ्वी-आधारित संकेतों (Beacons) पर निर्भर हुए बिना नेवगिशन** कर सकते हैं।

- **तारकीय लंबन:** जैसे-जैसे पृथ्वी सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती है, किसी तारे की स्थिति अन्य तारों के सापेक्ष बदलती हुई नजर आ सकती है। इसका कारण यह है कि हर छह महीने में पृथ्वी सूर्य के दोनों विपरीत कनारों पर होती है, जिससे हमें दो अलग-अलग पर्यवेक्षण बिंदु मिलते हैं।
 - **न्यू होराइज़न्स** अंतरिक्ष यान ने पृथ्वी से 7 अरब किलोमीटर की दूरी से **प्रोक्सिमा सेंटौरी** (जो 4.2 प्रकाश वर्ष दूर है) और **वोल्फ 359** (जो 7.9 प्रकाश वर्ष दूर है) का अवलोकन किया।
- **अन्य अंतरिक्ष नेवगिशन विधियाँ:**
 - **स्टेलर एस्ट्रोमेट्रिक नेवगिशन:** यह तकनीक दो तारों के बीच के कोणीय अंतर को मापकर, तारों और विशेष सापेक्षता के सिद्धांत का उपयोग करते हुए, अंतरिक्ष यान की त्रि-आयामी स्थिति तथा वेग का अनुमान लगाती है।
 - **पल्सर नेवगिशन:** यह तेज़ी से घूमने वाले न्यूट्रॉन तारे (पल्सर) का उपयोग करता है, जो अंतरिक्ष में लैंप की तरह कार्य करते हैं, ताकि रास्ता दिखाया जा सके।
- **नासा** ने वर्ष 2006 में **न्यू होराइज़न्स** अंतरिक्ष यान लॉन्च किया था ताकि **बौना ग्रह प्लूटो**, उसके **चंद्रमा** और **क्यूपर बेल्ट** में मौजूद वस्तुओं का अध्ययन किया जा सके। **क्यूपर बेल्ट सौरमंडल के बाहरी कनारे पर बरफ़ीले चट्टानों और धूल का एक डिस्क** है।



और पढ़ें: [प्लूटो और चारोन की ब्रह्मांडीय कहानी](#)

